बिज़नेस स्टैंडर्ड

नई दिल्ली
9 मार्च 2010, मंगलवार

अधिग्रहण की तलाश में जीएसके

बीएस संवाददाता
नासिक/नई दिल्ली, 8 मार्च

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन ने कहा है कि अगर परिसंपत्तियां सही कीमत पर मिले तो कंपनी भारत में अधिग्रहण करने में इच्छुक है।

जीएसके के ग्लोबल सीईओ एंड्र्यू विटि ने कहा कि इन अधिग्रहणों में कंपनी का ध्यान ब्रांड खरीदने और इसके कंज्यूमर हेल्थकेयर कारोबार को सुधारने पर होगा। वहीं दूसरी ओर कंपनी विशुद्ध जेनेरिक्स (कम लागत, ज्यादा बिक्री) बेचने वाली परिसंपत्तियों पर कम ध्यान देगी। जीएसके ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के 'लिम्फेटिक फाइलेरिएसिस को मिटाने के वैश्विक कार्यक्रम' के लिए महाराष्ट्र में नासिक स्थित एक फाइलेरिएसिस दवा बनाने की इकाई को समर्पित कर दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कंपनी देश में अपनी वैक्सिन निर्माण क्षमताओं को भी जोड़ना चाहेगी। विटि ने कहा, 'यह कहना गलत नहीं होगा कि हम भारतीय बाजार में अधिग्रहणों की तलाश कर रहे हैं। हमारे लिए प्रमुख मुद्दा यह है कि हमें सही मूल्य नहीं मिल पा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि मौजूदा वक्त में कंपनी अपने वैश्विक जेनरिक उत्पादन का तकरीबन आठवां हिस्सा भारत से प्राप्त करती है। इसके अलावा जीएसके देश में ज्यादा निर्माण इकाइयां बनाने में निवेश करने पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि एक बार भारत के विश्वविद्यालय विश्व के विकसित देशों के संस्थागत शोध मानकों के स्तर तक पहुंच जाए, तो जीएसके इन विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर भी अनुसंधान करना चाहेगी।

> "अधिग्रहण योजना के तहत कंपनी का ध्यान ब्रांड खरीदने और इसके कंज्यूमर हेल्थकेयर कारोबार को सुधारने पर होगा
>
> **एंड्र्यू विटि**
> ग्लोबल सीईओ, जीएसके